MINISTRY OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS
Print Media Conversations
Period of Analysis: 20-11-2024 to 20-11-2024

Sr. No.	Date	Headline	Publication	Edition	Page no	Journalist	CCM
1	20th Nov 2024	पुरानी बसावट वाले शहरों में सीवरेज की सुविधा बड़ी चुनौती : एके शर्मा	Amar Ujala	Lucknow	6		N/A
2	20th Nov 2024	सफाई कर्मियों के बजाय रोबोट से कर सकेंगे सीवर की सफाई	Dainik Jagran	Lucknow	10		N/A
3	20th Nov 2024	यदि आप उप्र को छोड़ते हैं तो भारत को खोते हैं : एरिक गार्सेटी	Dainik Jagran	Lucknow	10		N/A
4	20th Nov 2024	केंद्रीय अधिकारी ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, देखे उपकरण	Dainik Jagran	Lucknow	.		N/A
5	20th Nov 2024	विश्व शौचालय दिवस 2024: शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम	Ek Sandesh	Lucknow	11		N/A
6	20th Nov 2024	विश्व शौचालय दिवस 2024: शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम	United Bharat	Lucknow	11		N/A
7	20th Nov 2024	वेस्ट टु एनर्जी प्लांट जरूरी: रूपा मिश्रा	Nbt	Lucknow	4		N/A

Downloaded from
SAMVAD

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	6
CCM	N/A		

पुरानी बसावट वाले शहरों में सीवरेज की सुविधा बड़ी चुनौती : एके शर्मा

पुरानी बसावट वाले शहरों में सीवरेज की सुविधा बड़ी चुनौती : एके शर्मा

नगर विकास मंत्री ने किया विश्व शौचालय दिवस पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

लखनऊ। विश्व शौचालय दिवस पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने इसमें आने वाली चुनौतियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुरानी बसावट वाले शहरी इलाकों में सीवरेज की व्यवस्था करना एक चुनौती है।

लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, मथुरा जैसे पौराणिक शहरों में सकरी गलियों की वजह से ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम को लागू करना मुश्किल है। बावजूद इसके प्रयास किया जा रहा है।

राजधानी के एक होटल में आयोजित कार्यशाला में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के राज्यमंत्री राकेश राठौर 'गुरु' समेत अन्य लोग उपस्थित थे। मंत्री शर्मा ने कहा कि स्वच्छता को लेकर लोगों की धारणाएं बदली हैं। सफाई कर्मचारियों को अब सम्मान की निगाह से देखा जाता है। सुरक्षा उपायों के मद्देनजर मैनहोल की सफाई में मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान शौचालयों के निर्माण व संचालन के लिए दो एमओयू भी साइन किए गए। ब्यूरो

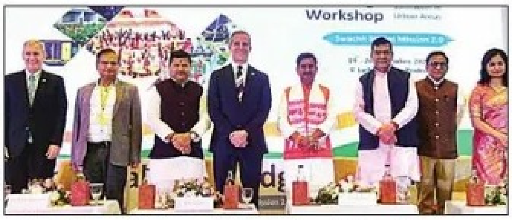

विश्व शौचालय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, नगर विकास मंत्री एके शर्मा व अन्य। स्रोत : सूचना विभाग

कम हुईं बीमारियां

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री को स्वच्छता की प्रेरणा छत्तीसगढ़ से मिली। अब प्रत्येक नागरिक इसके प्रति जागरूक है। स्वच्छता से बीमारियों के प्रसार में कमी आई है। आज देश के शहरी क्षेत्रों में 97 प्रतिशत वॉर्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन की व्यवस्था है। पांच सप्ताह का 19 नवंबर से 25 दिसंबर क्लीन टॉयलेट अभियान चलाया जा रहा है। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि साल 2014 से 2019 के बीच शहरी इलाकों में 9 लाख शौचालय बनाए गए हैं। इनकी साफ-सफाई और रखरखाव की पूरी व्यवस्था की गई है।

कार्यालय उप जिलाधिकारी मलिहाबाद, लखनऊ।

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from
SAMVAD

Publication	Dainik Jagran	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	10
CCM	N/A		

सफाई कर्मियों के बजाय रोबोट से कर सकेंगे सीवर की सफाई

सफाई कर्मियों के बजाय रोबोट से कर सकेंगे सीवर की सफाई

अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा स्वच्छ भारत मिशन को पूरी दुनिया में चलाने की है जरूरत

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊः अब शौचालय में ही मल को मशीन से ट्रीट करके राख में बदलने की सुविधा लोगों को उपलब्ध हो गई है। इसके लिए शौचालय में ही एक मशीन लगानी पड़ेगी। मशीन में मल को ट्रीट करके राख में बदल दिया जाएगा, जबकि मूत्र व अन्य गंदे पानी को ट्रीट करके दोबारा शौचालय के कमोड में इस्तेमाल किया जा सकेगा। वहीं सीवरेज की सफाई के लिए अब सफाई कर्मचारियों की जान को खतरा नहीं होगा, बल्कि रोबोट से सीवरेज की सफाई का कार्य आसानी के साथ किया जा सकेगा। इस प्रकार की मशीनों का प्रदर्शन मंगलवार को विश्व शौचालय दिवस पर होटल द सेंट्रम में शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में किया गया।

होटल द सेंट्रम में विश्व शौचालय दिवस पर आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री टोखन साहू, नगर विकास मंत्री एके शर्मा एके शर्मा, नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु व अमेरीका के राजदूत एरिक गार्सेटी ● सूचना विभाग

- विश्व शौचालय दिवस पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ
- शौचालय में ही मल को राख बनाएगी मशीन

केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, यूएसएड, उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ प्रदेश के नगर विकास मंत्री एके शर्मा, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री टोखन साहू, नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु व यूएसएड के भारत व भूटान के मिशन निदेशक स्टीव ओलिव तथा भारत में अमेरिका के राजदूत एचई एरिक गार्सेटी ने किया। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आनलाइन संदेश में कार्यशाला के आयोजन की सभी को बधाई दी। स्वच्छ भारत मिशन के दस वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने 19 नवंबर से 25 दिसंबर तक शौचालय स्वच्छता अभियान की शुरुआत की घोषणा की।

यूएसएड के मिशन निदेशक ने कहा कि अमेरिका 40 से ज्यादा देशों में शौचालय स्वच्छता पर काम कर रहा है। हमें नई तकनीक से शौचालय को साफ रखने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में शौचालय सफाई पर काफी काम हो रहा है।

वहीं अमेरिका के राजदूत ने कहा कि उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। अमेरिका व भारत दो देश हैं, लेकिन दोनों का दिल एक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन केवल भारत के लिए नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया में इसे अभियान के रूप में चलाने की जरूरत है।

नगर विकास मंत्री ने कहा कि पूजा करने से पहले हमें शरीर को अंदर व बाहर से शुद्ध करना पड़ता है। महाकुंभ सहित प्रदेश में होने वाले तमाम मेलों में सरकार ने स्वच्छता व ग्रीन मेलों का संदेश देकर दुनिया को दिखा दिया है कि हम हर क्षेत्र में आगे जा रहे हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया। देश के 97 प्रतिशत शहरी वार्डों में घर-घर कूड़ा एकत्र किया जा रहा है। 65 शहरों में पानी की समस्या का हल हो चुका है। उन्होंने कहा कि वे भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से श्रीराम की जन्म भूमि उत्तर प्रदेश में आया हूं। लखनऊ की सफाई व्यवस्था बहुच अच्छी है। राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला में पहले दिन केंद्रीय संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा, नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात सहित कई विशेषज्ञों ने शौचालय सफाई को लेकर इस्तेमाल की जा रही नई तकनीक के बारे में जानकारी दी।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Dainik Jagran	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	10
CCM	N/A		

यदि आप उप्र को छोड़ते है तो भारत को खोते है : एरिक गार्सेटी

यदि आप उप्र को छोड़ते हैं तो भारत को खोते हैं : एरिक गार्सेटी

भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी स्वच्छ भारत मिशन को पूरी दुनिया में मानवता के लिए मिसाल मानते हैं। उत्तर प्रदेश में आए सकारात्मक बदलावों के वह कायल हैं। उनका मानना है कि यदि आप उप्र को छोड़ते हैं तो भारत को खोते हैं। यह भी कहते हैं कि अमेरिका में होने जा रहा सत्ता परिवर्तन भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करेगा। मंगलवार को विश्व शौचालय दिवस पर स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) को लेकर लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने आए एरिक गार्सेटी से दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता राजीव दीक्षित की बातचीत के अंश :

साक्षात्कार

• स्वच्छ भारत मिशन को कैसे देखते हैं?

-स्वच्छ भारत मिशन पूरी दुनिया के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण है जिसने पृथ्वी पर रहने वाले हर मानव को प्रेरित किया है कि हम अपने जीवनकाल में गरिमा के साथ जीवन के लिए बुनियादी सुविधाएं हासिल कर सकते हैं।

• मिशन से जुड़ने वाली अमेरिकी एजेंसियों का अनुभव कैसा रहा?

-भारत में काम करते हुए यूएस एड व हमारी अन्य एजेंसियां सस्ते, सुरक्षित और सुलभ तरीके ईजाद करने के तौर-तरीके सीखती हैं जिससे शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा तक जनसामान्य की पहुंच आसान हो सके। दुनिया के 3.5 अरब लोग शौचालय की सुविधा से वंचित हैं। इस कार्यक्रम से जुड़ कर हम ऐसे करोड़ों लोगों के लिए कुछ कर सकते हैं।

• भारत में अमेरिकी सहयोग का स्वच्छता के क्षेत्र में क्या प्रभाव रहा?

-हम नए विचारों और नवाचारों में निवेश करना पसंद करते हैं। चाहे वह हाल में केरल में आई भीषण बाढ़ के बाद पानी की रीसाइकलिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा मोबाइल सैनिटेशन उपकरण हो या दिल्ली में उद्यमी द्वारा प्लास्टिक के कचरे से तैयार किया गया शौचालय जिसे सीवेज कनेक्शन की जरूरत नहीं है या फिर सीवेज को शोधित करने वाले मोबाइल सेप्टेज यूनिट ही क्यों न हों।

• भारत में सबको शौचालय सुलभ कराने की राह में क्या चुनौतियां नजर आती हैं?

-बड़ी संख्या में भारतवासी सुदूरवर्ती क्षेत्रों, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और संसाधनों के अभाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। यह चुनौती के साथ अवसर भी है। 140 करोड़ भारतवासी दुनिया के किसी अन्य स्थान की तुलना में कहीं ज्यादा नए विचार और नवाचार में सक्षम हैं। यहां के समुदाय बेहद संगठित हैं और स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जवाबदेह सरकारें हैं। चुनौतियों के मुकाबले यहां ताकत ज्यादा है। स्वच्छता की इस मुहिम में हमें सबको, खासकर बालिकाओं को शामिल करना होगा। शौचालय की सुविधा बालिकाओं को स्कूल में रोकने और उच्च स्तर तक शिक्षित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

• अमेरिका उप्र में स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्रों में किस तरह सहयोग कर रहा है?

-हम उप्र में कई सकारात्मक परिवर्तनों को देख रहे हैं। जनसुरक्षा के साथ यहां के आर्थिक-सामाजिक परिदृश्य में आए बदलाव प्रशंसनीय हैं। हम उप्र में स्वास्थ्य और स्वच्छता कार्यक्रमों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण व उद्यमिता के क्षेत्र में सहयोग दे रहे हैं। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़े कार्यक्रमों के जरिये उप्र में वनों के संरक्षण में भी सहयोग दे रहे हैं। लास एंजिल्स का चिड़ियाघर उप्र के उत्तरी भागों की नदियों में रहने वाले दुर्लभ जलीय जीवों के संरक्षण के लिए काम कर रहा है। मेरा मानना है कि यदि आप उप्र को छोड़ देते हैं तो भारत को खो देते हैं।

• अमेरिकी कंपनियां उप्र में निवेश के लिए कितनी उत्सुक हैं ?

-उप्र व्यापार के बेहतरीन गंतव्य के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र में व्यापार के लिए मैत्रीपूर्ण वातावरण सृजित हुआ है। राज्य में अवस्थापना सुविधाओं में प्रचुर निवेश हुआ है। अमेरिकी कंपनियां यहां निवेश में रुचि ले रही हैं। यहां संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की असीम संभावनाएं हैं। टेक्नोलाजी के क्षेत्र में भी निवेश की प्रचुर संभावनाएं हैं। अमेरिकी कंपनियां सेमीकंडक्टर, आइटी सेवाओं और निकट भविष्य में डाटा सेंटर/स्टोरेज के क्षेत्र में निवेश के लिए उत्सुक हैं।

• अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में आप भविष्य में भारत अमेरिका के संबंधों को कैसे देखते हैं?

-भारत और अमेरिका दोनों का भविष्य एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। अमेरिका के नए निजाम में नेशनल सेक्योरिटी एडवाइजर का दायित्व संभालने जा रहे माइक वाल्ट्ज भारत के अच्छे मित्र हैं। वह इंडिया काकस के सह अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ट्रंप प्रशासन में मार्को रुबियो भारत के संदर्भ में दूसरे महत्वपूर्ण व्यक्ति होंगे जो विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। भारत से अच्छे और गहरे संबंधों के लिए वह कानून लाने की पहल कर चुके हैं। हम उम्मीद करते हैं कि नए निजाम में भारत-अमेरिकी संबंधों का यह संवेग टेक्नोलाजी, रक्षा व अंतरिक्ष समेत अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में न सिर्फ जारी रहेगा बल्कि और मजबूत होगा।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Dainik Jagran	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	.
CCM	N/A		

केंद्रीय अधिकारी ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, देखे उपकरण

केंद्रीय अधिकारी ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण, देखे उपकरण

नगर निगम के कार्यों का निरीक्षण करतीं संयुक्त सचिव - आवास और शहरी कार्य मंत्रालय रूपा मिश्रा साथ में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह • नगर निगम

जागरण संवाददाता • लखनऊ: आवास और शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त सचिव रूपा मिश्रा मंगलवार को लखनऊ में थीं और उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत कराए गए कार्यों को देखा।

उन्होंने मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर एफसीटीएस एवं मैकेनाइज रोड स्वीपिंग मशीन को भी देखा। नगर निगम की तरफ से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अपनाई गई नवीनतम तकनीकों का अवलोकन करने के साथ ही स्वच्छ भारत अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने यूरोपीय तकनीक से बनी मैकेनाइज स्वीपिंग मशीन की कार्यशैली को समझा। इस अवसर पर नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Ek Sandesh	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	11
CCM	N/A		

विश्व शौचालय दिवस 2024: शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम

विश्व शौचालय दिवस 2024: शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम

सभी सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय परिवर्तित करने के लिए महुआ ने लॉन्च किया 5 सप्ताह का क्लीन टॉयलेट कैंपेन 2024

नई दिल्ली। सामुदायिक शौचालयों में पीपीपी मॉडल के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में शौचालयों के लिए सुलभ इंटरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर स्रू॥ ने शुरू की दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला: शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित स्वच्छता पर काम करने का आहवानसुचारु शौचालयों तक पहुंच शिशु और बाल मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्वच्छ एवं सुरक्षित स्वच्छता सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम है और मुझे खुशी है कि भारत ने इसमें अग्रणी भूमिका निभाई है। माननीय

प्रधानमंत्री, स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे होने के अवसर पर। तेजी से शहरीकरण के चलते बड़ी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं और भारतीय शहरों में सुरक्षित स्वच्छता बड़ी चिंताओं में से एक है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत खुले में शौच मुक्त से ODF++ की दिशा में परिवर्तन गति प्राप्त कर रहा है और शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता प्रणालियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय , उत्तर प्रदेश सरकार, USAID, BMGF और वॉश संस्थान के सहयोग से 19-20 नवंबर 2024 को लखनऊ में शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित स्वच्छता को बढ़ावा देने के विषय पर लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला करा रहा है। विश्व शौचालय दिवस 2024 का विषय, शौचालय : एक शांतिपूर्ण स्थल है, जो स्वच्छता और स्थायी समाधानों पर प्रकाश डालता है। कार्यशाला में स्वच्छता, शौचालयों के बुनियादी ढांचे और उपयोग किए गए जल के प्रबंधन संबंधी विशेषज्ञ एक साथ आ रहे हैं। कार्यशाला के दौरान माननीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन की दशकीय उपलब्धियों पर वीडियो संदेश दिया।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	United Bharat	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	11
CCM	N/A		

विश्व शौचालय दिवस 2024: शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम

मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग कर उम्मीदवारों को सुझाव देता है कि वे जालसाजी से सतर्क व सावधान रहें।

विश्व शौचालय दिवस 2024:शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम

नई दिल्ली। तेजी से शहरीकरण के चलते बड़ी चुनौतियां उत्पन्न होती हैं और भारतीय शहरों में सुरक्षित स्वच्छता बड़ी चिंताओं में से एक है। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत खुले में शौच मुक्त (ह्रस्न) से ह्रस्न++ की दिशा में परिवर्तन गति प्राप्त कर रहा है और शहरों में सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता प्रणालियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय , उत्तर प्रदेश सरकार, स्नूह्रछ, ङ्मस्नस्न और वॉश संस्थान के सहयोग से 19-20 नवंबर 2024 को लखनऊ में शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित स्वच्छता को बढ़ावा देने% के विषय पर लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला करा रहा है। विश्व शौचालय दिवस 2024 का विषय, ÷शौचालय- एक शांतिपूर्ण स्थल÷ है, जो स्वच्छता और स्थायी समाधानों पर प्रकाश डालता है। कार्यशाला में स्वच्छता, शौचालयों के बुनियादी ढांचे और उपयोग किए गए जल के प्रबंधन संबंधी विशेषज्ञ एक साथ आ रहे हैं। कार्यशाला के दौरान माननीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने स्वच्छ भारत मिशन की दशकीय उपलब्धियों पर वीडियो संदेश दिया। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार, शिशु मृत्यु दर कम करने, रोजगार को बढ़ावा देने, छात्राओं की शिक्षा और महिला सुरक्षा बढ़ाने में शौचालयों के प्रभाव पर माननीय प्रधानमंत्री के विजन पर विचार रखे। स्वच्छता में प्रगति को स्वीकारते हुए, उन्होंने शहरीकरण से सुरक्षित स्वच्छता में चुनौतियों का भी जिक्र किया और व्यक्तिगत शौचालयों से सामुदायिक शौचालय मॉडल तक, विभिन्न समाधान तलाशने का आग्रह किया। क्लीन टॉयलेट कैंपेन 2024 का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा, स्वच्छता निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और सभी हितधारकों से शौचालयों की मरम्मत एवं रखरखाव का भी आग्रह किया, ताकि सभी के लिए सुरक्षित स्वच्छता सुनिश्चित हो सके।आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा, मिशन के अंतर्गत स्वच्छता की यात्रा हमारे संस्कारों का हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने क्लीन टॉयलेट कैंपेन 2024 के अंतर्गत 'स्वच्छ शौचालय, हमारी जिम्मेदारी' पहल पर राज्यों से स्वच्छ, सुरक्षित और सुलभ शौचालय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को विचार साझा करने और चुनौतियों से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मिशन के वैश्विक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए सुरक्षित स्वच्छता, प्रयुक्त जल प्रबंधन, छात्राओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश के शहरी विकास मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा और शहरी विकास विभाग प्रमुख सचिव श्री अमृत अभिजात ने भारत में स्वच्छता की दिशा में बदलाव, व्यवहार परिवर्तन के महत्व सहित मशीनीकरण अपनाकर सफाई कर्मचारियों का सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया।

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from
SAMVAD

Publication	Nbt	Language	Hindi
Edition	Lucknow	Journalist	
Date	20/11/2024	Page no	4
CCM	N/A		

वेस्ट टु एनर्जी प्लांट जरूरीः रूपा मिश्रा

वेस्ट टु एनर्जी प्लांट जरूरीः रूपा मिश्रा

■ एनबीटी, लखनऊः शहरी विकास एवं आवासन मंत्रालय की संयुक्त सचिव और स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की निदेशक रूपा मिश्रा मंगलवार को शिवरी प्लांट पहुंचीं। उन्होंने शहर में वेस्ट टु एनर्जी प्लांट लगाने की बात कही। वहीं, ग्वारी स्थित एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर का जायजा लिया। इसके बाद विनीत खंड स्थित LSA के कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन गईं। शिवरी प्लांट प्रभारी डा. अरविंद राव ने बताया कि कूड़ा निस्तारण में बनने वाले रिफ्यूज ड्राइव फ्यूल(आरडीएफ) यहां से मध्य प्रदेश व अन्य जिलों की सीमेंट फैक्ट्रियों को भेजा जाता है। एसबीएम निदेशक ने कहा है कि अगर वेस्ट टु एनर्जी प्लांट लगाया जाए तो आरडीएफ दूर नहीं भेजना होगा। सीधे कचरे से बिजली बन सकेगी। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने बताया कि नगर निगम सदन से वेस्ट टु एनर्जी प्लांट का प्रस्ताव पास हो चुका है।

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD